ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | अप्रैल -2026 | अंक - 04 | माउंट आबू | Rs.- 20

'एकता और विश्वास' के सूत्र देंगे महाराष्ट्रवासियों को आंतरिक शक्ति

- ब्रह्माकुमारीज़ ने 'महाराष्ट्र का स्वर्णिम भविष्य' अभियान किया आरंभ
- अभियान से समाज में आपसी समरसता और सदृढ़ होगी

नागपुर-जामठा(विश्व शांति सरोवर)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के जामठा,नागपुर विश्व शांति सरोवर से 'एकता और विश्वास के द्वारा महाराष्ट्र का स्वर्णिम भविष्य' अभियान में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महाराष्ट्र देश में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है। यह पवित्र भूमि राष्ट्र निर्माण की उन महान विचारधाराओं और आदर्शों की जन्मभूमि रही है, जिन्होंने भारतवासियों में नवचेतना का संचार किया। छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर महात्मा ज्योतिबा फुले, वासुदेव बलवंत फड़के, महर्षि धोंडो कर्वे, राजर्षि शाहू महाराज, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले, विनायक दामोदर सावरकर और डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे युगपुरुषों के चिंतन, संघर्ष और योगदान ने हमारे राष्ट्र को सशक्त बनाया है। उनके जीवन मूल्यों से मिली प्रेरणा आज भी हमें सही दिशा दिखाती है। इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से महाराष्ट्र के निवासियों को आंतरिक शक्ति, सकारात्मक नेतृत्व और मूल्य आधारित विकास की प्रेरणा मिलेगी।

अध्यात्म के माध्यम से सशक्त बनता है समाज

25 फरवरी को शाम की शुरूआती बेला में अपने हाथों शुरू किए इस अभियान के अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से लोग मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ बनते हैं। हानिकारक प्रवृत्तियों से मुक्ति, आपसी सौहार्द, नैतिक आचरण, आत्म-संयम, सकारात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व- ये सभी मिलकर समाज को सशक्त बनाते हैं।

एकता और विश्वास पर खड़ा होता है शक्तिशाली राष्ट्र

एकता और विश्वास वे आधारशिलाएं हैं जिन पर एक शक्तिशाली राष्ट्र खड़ा होता है। जब समाज में आपसी भरोसा बढ़ता है, तो लोग व्यक्तिगत लाभ से ऊपर उठकर साझा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलजुल कर काम करते हैं। आध्यात्मिक स्तर पर लोग करुणा, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान का भाव अपनाएं, तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है। प्रत्येक नागरिक समानता को बढ़ावा देकर, भेदभाव को छोड़कर और सामुदायिक सेवाओं में भाग लेकर राष्ट्र निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब लोग एक-दूसरे पर विश्वास करते हैं, तब विकास केवल सरकारी योजनाओं के बल पर ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता के द्वारा तेजी से आगे बढ़ता है। यही भागीदारी हमें विकसित भारत के मार्ग पर आगे ले जाएगी।

समाज में एकता और विश्वास को सुदृढ़ करेगी यह पहल

भारत तभी सही अर्थों में विकसित कहलाएगा जब सबको आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे, टेक्नोलॉजी विकास का साधन बनेगी और प्रगति का लाभ घर-घर तक पहुंचेगा। संस्थान के ऐसे रचनात्मक और आध्यात्मिक परिवर्तन के कार्य से समाज में नई चेतना कार्य करेगी। इसलिए मैं ब्रह्माकुमारीज़ को इस प्रेरणादायक अभियान के लिए पुनः बधाई देती हूं। मुझे विश्वास है कि यह पहल समाज में एकता और विश्वास को सुदृढ़ करेगी। मैं इस अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं और आप सबके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती हूं।

यह अभियान समरसता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बनेगा

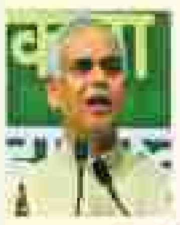

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बनेगा। मंत्री भावनकुले ने कहा कि राज्य सरकार समाज के ऐसे सकारात्मक अभियानों का स्वागत करती है, जो एकता और विश्वास को बढ़ावा देते हैं। माउंट आबू से आये राजयोगी ब्र.कु.

मृत्युंजय, अतिरिक्त महासचिव ने संगठन की 90 वर्षों की सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का उद्देश्य मानवता में शांति, प्रेम और आत्मविश्वास का संचार करना है। वहीं, राजयोगिनी ब्र.कु.चंद्रिका दीदी,अहमदाबाद ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें।

जब ऐसे मूल्य जीवन का हिस्सा बनते हैं, तब स्वाभाविक रूप से समाज में विश्वास स्थापित होता है। आपसी विश्वास से समाज में सकारात्मक और सार्थक कार्यों को बढ़ावा मिलता है। मैं महाराष्ट्र की जनता को उनके परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र प्रेम के लिए नमन करती हूं। मुझे आशा है कि यह कार्यक्रम स्वर्णिम, सशक्त और समृद्ध महाराष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरणा देगा।